नईदुनिया

किसान समस्या का समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. यादव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसान कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है और किसानों की हर समस्या का समाधान करने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने बुरहानपुर के किसानों को प्राकृतिक आपदा से हुए केले की फसल के नुकसान के लिए 107 करोड़ 82 लाख रुपये से अधिक की राहत राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की।

डॉ. यादव ने उज्जैन से बुरहानपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि मई और जून में मौसम की मार से जिले के बुरहानपुर नगर, ग्रामीण, नेपानगर और खकनार क्षेत्र के 188 गांवों के 8 हजार 115 किसानों की केले की फसल प्रभावित हुई थी। संकट की इस घड़ी में सरकार किसानों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से प्रदेश के जिलों में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक खेती और नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र से उद्योगों को कच्चा माल और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलते हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को श्रावण मास की शुभकामनाएं देते हुए जिला कलेक्टरों को कांवड़ यात्राओं के दौरान श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत किसानों के सम्मान, समृद्धि और कल्याण के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बुरहानपुर की उद्यानिकी फसलों की सराहना करते हुए कहा कि यहां के केले, हल्दी और कपास की विशेष पहचान है। केले के रेशे से बनाए जा रहे कपड़े और सजावटी उत्पादों ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से देश-विदेश में पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि बुरहानपुर अब केवल कच्चे माल के उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और निर्यात के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है।

वीर भारत संग्रहालय के जीर्णोद्धार में पुरानी निर्माण शैली का रखा जाएगा ध्यान

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन स्थित कोठी महल में निर्माणाधीन वीर भारत संग्रहालय के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि संग्रहालय के निर्माण में पारंपरिक और पुरानी निर्माण पद्धतियों का पालन किया जाए, ताकि भवन की ऐतिहासिक पहचान और मौलिकता सुरक्षित रहे। उन्होंने गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने के निर्देश भी दिए। डॉ. यादव ने जीर्णोद्धार में उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री का अवलोकन किया और कार्य में लगे श्रमिकों व कारीगरों से चर्चा की। उन्होंने ऐतिहासिक भवन की अधोसंरचना का निरीक्षण करते हुए कहा कि प्राचीन स्वरूप और भव्यता को बनाए रखते हुए ही कार्य किया जाए। वीर भारत संग्रहालय का जीर्णोद्धार उज्जैन स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत किया जा रहा है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि परियोजना के प्रथम चरण का कार्य प्रगति पर है। दूसरे चरण में भवन के पुराने वास्तु स्वरूप को संरक्षित करते हुए आंतरिक सज्जा, परिसर विकास, लैंडस्केपिंग और आधुनिक पार्किंग व्यवस्था विकसित की जाएगी।

श्रावण मास पर मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्रावण मास के प्रारंभ होने पर प्रदेशवासियों और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी हैं। यह माह भगवान शिव की आराधना का विशेष अवसर है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थलों पर कांवड़ यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल की राजसी सवारी के आयोजन को देखते हुए सभी जरूरी तैयारियां करने के निर्देश दिए।

जनजातीय अध्ययन को भारतीय दृष्टिकोण से मिलेगी नई दिशा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि जनजातीय समाज भारत की सांस्कृतिक पहचान के साथ प्रकृति, पर्यावरण और सभ्यता का महत्वपूर्ण संरक्षक है। स्वतंत्रता संग्राम, वन संरक्षण और भारतीय ज्ञान परंपरा को सुरक्षित रखने में जनजातीय समाज का योगदान अतुलनीय रहा है। इसके इतिहास, संस्कृति और जीवन मूल्यों को भारतीय दृष्टिकोण से शोध एवं शिक्षा में शामिल करने की आवश्यकता है। श्री परमार गुरुवार को मप्र भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में जनजातीय अध्ययन संबंधी पाठ्यक्रम विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक जनजातीय समाज पर हुए अध्ययन में बाहरी दृष्टिकोण का प्रभाव रहा, इसलिए अब प्रमाणिक शोध और दस्तावेजीकरण की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालयों में जनजातीय अध्ययन के रोजगारोन्मुखी और शोध आधारित पाठ्यक्रम विकसित किए जाएं। इनमें प्रतियोगी परीक्षाओं और कौशल विकास की आवश्यकताओं को भी जोड़ा जाए। जनजातीय क्षेत्रों में जाकर भाषा, लोक परंपरा, कृषि, लोक चिकित्सा और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर अध्ययन करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान और पारंपरिक ज्ञान के समन्वय से जनजातीय समाज के विकास का मजबूत आधार तैयार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने सर्प उद्यान का किया निरीक्षण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को उज्जैन के बसंत विहार क्षेत्र में निर्माणाधीन रेप्टाइल पार्क एवं अनुसंधान केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से परियोजना की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रिहायशी क्षेत्रों में सर्प निकलने की घटनाओं को देखते हुए होमगार्ड जवानों को सांप पकड़ने और सुरक्षित रेस्क्यू करने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। डॉ. यादव ने कहा कि प्रशिक्षित जवान नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ सर्पों का सुरक्षित बचाव कर सकेंगे। इससे वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और लोगों में सांपों को लेकर भय की स्थिति भी कम होगी। निर्माणाधीन सर्प उद्यान को आधुनिक सुविधाओं से विकसित किया जा रहा है। यहां विजिटर जोन, सर्प एवं अन्य सरीसृपों के प्रदर्शन क्षेत्र, चिकित्सालय, अनुसंधान केंद्र, शिक्षा केंद्र और अत्याधुनिक रेस्क्यू सेंटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही स्नेक पार्क भी बनाया जाएगा।

थांदला में आज 300 करोड़ रुपए के ऋण का वितरण

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को झाबुआ जिले के थांदला में आयोजित राज्य स्तरीय स्व-सहायता समूहों के क्षमतावर्धन एवं ऋण वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री प्रदेश के स्व-सहायता समूहों को सशक्त बनाने की दिशा में 300 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण करेंगे। डॉ. यादव इस अवसर पर प्राकृतिक खेती करने वाले उन्नत किसानों से संवाद करेंगे और उनके अनुभवों की जानकारी लेंगे। वे प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं और प्रयासों पर भी चर्चा करेंगे।

कार्यक्रम में डॉ. यादव 174.64 करोड़ रुपये की लागत वाले 29 विकास कार्यों का भूमि-पूजन तथा 109.17 करोड़ रुपये के 28 विकास एवं आधारभूत संरचना कार्यों का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही विभिन्न विभागों की योजनाओं के हितग्राहियों को लाभ वितरित किया जाएगा और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। थांदला के शासकीय महाविद्यालय मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े 215 स्व-सहायता समूहों को 10.8 करोड़ रुपये का ऋण भी प्रदान किया जाएगा।

नशामुक्ति अभियान को मिली वैश्विक पहचान, बालाघाट पुलिस का विश्व रिकॉर्ड

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रदेश में संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान को लगातार सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान के तहत बालाघाट पुलिस ने नशामुक्ति जागरूकता के क्षेत्र में नया कीर्तिमान बनाया है।

बालाघाट पुलिस द्वारा आयोजित एक मिनट के सामूहिक नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम में जिले के 1 हजार 204 विद्यालयों के करीब 1 लाख 25 हजार विद्यार्थियों ने एक साथ नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। इसके अलावा 5 लाख से अधिक नागरिकों ने ऑनलाइन माध्यम से अभियान में सहभागिता की।

इस उपलब्धि को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन ने विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता देते हुए उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया है। यह सम्मान नशे के खिलाफ जनजागरूकता और सामाजिक भागीदारी का प्रतीक है।

अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशामुक्ति शपथ, जागरूकता रैलियां, संवाद कार्यक्रम, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

एक अगस्त से नई टोकन प्रणाली, पहचान और संबंध प्रमाणित करने वाले दस्तावेज जरूरी

तत्काल आरक्षण के लिए नई व्यवस्था, बिना आधार पहचान के नहीं मिलेगा टोकन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः तत्काल टिकट आरक्षण में होने वाली लंबी कतारों और बिचौलियों की शिकायतों को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने नई व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। एक अगस्त से भोपाल, जबलपुर और कोटा मंडल के सभी आरक्षण केंद्रों पर तत्काल आरक्षण के लिए नई टोकन प्रणाली शुरू होगी।

नई व्यवस्था के तहत जो व्यक्ति अपना या अपने परिवार के सदस्य का टिकट बनवाने आएगा, उसे अन्य लोगों की तुलना में प्राथमिकता दी जाएगी। टोकन प्राप्त करने के लिए पहचान और संबंध प्रमाणित करने वाले दस्तावेज अनिवार्य होंगे।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, नई व्यवस्था का उद्देश्य आरक्षण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना, वास्तविक यात्रियों को सुविधा देना और अनधिकृत एजेंटों तथा बिचौलियों पर रोक लगाना है। पहले तत्काल टिकट के लिए केवल पहले आने वाले यात्रियों को टोकन दिए जाते थे। इसमें यह स्पष्ट नहीं होता था कि टिकट स्वयं के लिए बनाया जा रहा है या किसी अन्य व्यक्ति के लिए।

नई व्यवस्था में टोकन लेने वाले को बताना होगा कि वह अपना, परिवार के सदस्य या किसी अन्य व्यक्ति का टिकट बनवा रहा है। स्वयं और निकट परिवार के टिकटों को प्राथमिकता श्रेणी में रखा जाएगा। इसमें माता-पिता, पति-पत्नी, पुत्र-पुत्री, भाई-बहन और दादा-दादी शामिल होंगे। इसके बाद अन्य यात्रियों के टिकट बनाए जाएंगे।

परिवार के सदस्य का टिकट बनवाने पर संबंध प्रमाणित करने वाले सरकारी दस्तावेज देने होंगे। अन्य व्यक्ति का टिकट बनवाने पर उसके पहचान पत्र की स्वयं प्रमाणित प्रति और हस्ताक्षर आवश्यक होंगे। रेलवे ने तत्काल वातानुकूलित टिकट के लिए सुबह साढ़े आठ से नौ बजे तक प्रति काउंटर अधिकतम 10 टोकन और शयनयान श्रेणी के लिए सुबह नौ से साढ़े नौ बजे तक अधिकतम 15 टोकन जारी करने की व्यवस्था की है। नई व्यवस्था में टोकन किसी अन्य व्यक्ति को नहीं दिया जा सकेगा। रेलवे का कहना है कि इससे फर्जी बुकिंग पर रोक लगेगी और वास्तविक यात्रियों को टिकट मिलने की संभावना बढ़ेगी।

बारिश थमते ही उखड़ी सड़कों की होगी मरम्मत लापरवाही पर होगी जांचः राकेश सिंह

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा है कि बारिश के कारण सड़कों पर बने गड्ढों की मरम्मत वर्षा समाप्त होते ही तत्काल शुरू की जाए, ताकि आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के अलावा अन्य कारणों से खराब हुई सड़कों को भी प्राथमिकता के आधार पर जल्द सुधारा जाए। वल्लभ भवन में आयोजित मुख्य अभियंता सम्मेलन और विभागीय समीक्षा बैठक में मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी क्षेत्रों में कार्ययोजना तैयार कर बारिश के बाद शुरू होने वाले कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने की तैयारी पहले से कर ली जाए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग सुखवीर सिंह की मौजूदगी में विभागीय कार्यों, आगामी योजनाओं और ओरछा में लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। मंत्री ने बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त होने वाली सड़कों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

सम्मेलन में प्रदेश की प्रमुख सड़कों के नामकरण की योजना पर भी चर्चा हुई। इसके तहत सड़कों के नाम उनके क्षेत्रीय और सांस्कृतिक महत्व के आधार पर रखने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। सांस्कृतिक क्षेत्रों की सड़कों को वहां की पहचान से जुड़े नाम दिए जाएंगे, जबकि कृषि प्रधान क्षेत्रों की सड़कों का नामकरण किसानों के नाम पर करने की योजना बनाई जा रही है।

मंत्री ने कहा कि विभाग जल्द ही इस संबंध में परिपत्र जारी करेगा। अभियंताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे इसे पढ़कर कार्यप्रणाली में सुधार लाएं। यदि किसी अधिकारी को विभागीय कार्यों की जानकारी में कमी पाई गई तो उसकी परीक्षा लेकर ज्ञान की जांच की जाएगी। बैठक में सड़क निर्माण की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए नए नियमों पर भी चर्चा हुई। अब सीमेंट कंक्रीट सड़कों के निर्माण में मशीनों से परत तैयार करने की व्यवस्था लागू की जाएगी।

• अपराधियों पर अंकुश की जगह रील पर

पुलिस मुख्यालय के चर्चे...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

इन दिनों हर जगह रील बनाने का इतना ज्यादा फैशन चल रहा है कि उससे महकमे के आला अधिकारी भी बच नहीं पा रहे हैं। अपराधियों पर अंकुश लगाने की कार्रवाई की जगह वे कहीं भी दौरे पर जाते हैं तो सबसे पहले रील बनाने की जगह तलाशते नजर आते हैं।

• भगवान भरोसे जनता, हमें तो साहब को

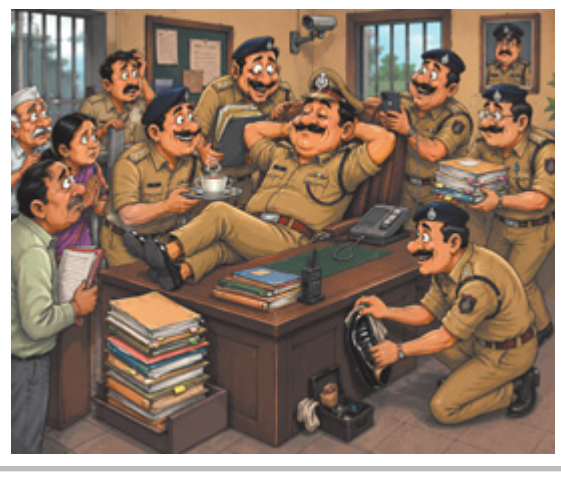

मध्यप्रदेश अजब है, गजब है। यह कहावत ग्वालियर-चंबल संभाग के एक जिले में सटीक बैठती है। यहां एक क्षेत्र ऐसा भी है, जहां जो जिम्मेदारी मिली है, उससे इतर एक बड़े माननीय को खुश करने में पूरा-पूरा अमला लगा रहता है। पूछने पर उनका जवाब भी यही रहता है कि नौकरी जिसके भरोसे चल रही है, उनका ध्यान रखने की जिम्मेदारी हमारी है।

• चुनाव में भूमिका संदेहास्पद

मध्यप्रदेश के एक जिले में सबसे ज्यादा हाईप्रोफाइल चुनाव में सबका फोकस है। पूर्व में पदस्थ एक साहब अब कहीं और पदस्थ हैं, लेकिन अपने नंबर बढ़ाने के चक्कर में वे सामाजिक आधार पर किसी की मदद करने में लगातार मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं।

• भगवान भरोसे व्यवस्था

मध्यप्रदेश में लगातार खनन माफिया और वन माफियाओं की चुनौती पुलिस को मिलती रही है। पिछले दिनों एक जिले में बड़ी कार्रवाई के दौरान अधिक बल की जरूरत थी, लेकिन अन्य जरूरी कार्यक्रम के कारण उतना बल मिल नहीं पाया। फिर भी विभाग ने भगवान भरोसे कार्रवाई को अंजाम दिया।

• लेडी सिंघम के काम से ज्यादा चर्चे

पहली बार एक जिले में पदस्थापना मिलते ही साहिबा पूरे फॉर्म में नजर आईं। उनका स्टाइल किसी को भी न बख्शने की नीति पर चलने का था, लेकिन ज्यादा दिन उनकी चल नहीं पाई। राजनीतिक दखलंदाजी और ऊपरी दबाव ने सिंघम को निराश कर दिया है।

• महिला शक्ति के आगे सभी दंडवत

मध्यप्रदेश का एक जिला ऐसा भी है, जहां कलेक्टर, एसपी, जिला पंचायत सीईओ सहित अधिकांश बड़े पदों पर महिलाओं की ही धाक है। ऐसे में नीचे थानों में पदस्थ अधिकारियों में भी उम्मीद जगी है कि यहां पर भी महिलाओं को बराबरी से प्राथमिकता दी जाएगी, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com